जलवायु परिवर्तन पर संगोष्ठी आयोजित, 140 प्रतिभागियों ने भाग लिया

प्रकृति के साथ तालमेल जरूरी है: सहस्त्रबुद्धे

सीयूजे

रांची, प्रमुख संवाददाता। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के भूसूचना विभाग में प्राकृतिक संसाधन अनुप्रयोगों और जलवायु परिवर्तन में भू-स्थानिक रास्ते और डाटा विश्लेषण विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शनिवार को हुआ। इसमें विभिन्न राज्यों के शीर्ष संस्थानों के 140 प्रतिभगियों सहित अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, अलास्का, श्रीलंका और आस्ट्रेलिया के प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगोष्ठी विज्ञान भारती, आईएसजी (इसरो) रांची चैप्टर की ओर से आयोजित की गई थी। इसके संयोजक प्रो एसी पांडेय व आयोजन सचिव डॉ विकास परिदा व डॉ चंद्रशेखर द्विवेदी थे।

मौके पर विज्ञान भारती के संगठन मंत्री जयंत सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि जलवायु परिवर्तन व आपदाओं से बचने के लिए अपनी दिनचर्या में बदलाव कर प्रकृति के साथ तालमेल रखना सीखना होगा। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (स्कूल शिक्षा एव साक्षरता विभाग) के निदेशक जयप्रकाश पांडेय ने झारखंड के विशेष संदर्भ में सुदूरसंवेदी तकनीक को संसाधनों के रखरखाव व कुशल प्रबंधन के लिए और अधिक गुणवत्तापरक बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो क्षितिभूषण दास, प्रो एस बसु, डॉ पीएस आचार्या, डॉ ब्रजेंद्र पटेरिया आदि उपस्थित थे।

देश खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर : डॉ एन कृष्ण

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में शनिवार को कृषि वैज्ञानिक व पूर्व आईसीएआर-उपमहानिदेशक (उद्यान) डॉ एन कृष्ण कुमार का हॉर्टिकल्चर कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से भारत खाद्यान्न मामले में आत्म निर्भर है और अनेक देशों को खाद्यान्न निर्यात कर रहा है। भारत के आर्थिक विकास में कृषि का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान होने के बावजूद कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। डॉ कृष्ण कुमार ने कहा कि झारखंड राज्य को सबक लेते हुए राज्य के विकास में उत्पादकता और वहनीयता को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। देश में प्रचुर खाद्यान्न होने के बावजूद बहुतायत आबादी के लिए पोषण सुरक्षा एक बड़ी समस्या है।

मारवाड़ी कॉलेज में की गई साफ-सफाई

रांची। मारवाड़ी कॉलेज की एनएसएस इकाई की ओर शनिवार को स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज में साफ-सफाई की गई। पौधों व फूलों में उर्वरक खाद और पानी डाला गया। प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने मौके पर सभी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन किया।

एसएस मेमोरियल कॉलेज में स्वच्छता अभियान

रांची। एसएस मेमोरियल कॉलेज की एनएसएस इकाई, बीबीए और बीसीए विभाग की ओर से शनिवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें कॉलेज परिसर और कक्षाओं की साफ-सफाई की गई। यह तय किया गया कि सप्ताह में एक दिन स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाएगा।

मानवाधिकारों की परिस्थिति जटिल हुई: कटारुका

रांची। रांची विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र में आयोजित संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में शनिवार को झारखंड हाईकोर्ट की वकील खुशबू कटारुका का मानवाधिकार विषय पर व्याख्यान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति जटिल हो गई है। हम सबकी मूलभूत आवश्यकताएं भी एक सी हैं। इसलिए मानव के रूप में जन्म लेते ही मानवाधिकार हमें मिल जाने चाहिए, फिर चाहे हम किसी भी समाज का हिस्सा क्यों न हों। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ चौथी राम यादव ने साहित्य के माध्यम से विचार और संवेदना के विकास, विषय पर व्याख्यान दिया। नागार्जुन की कविताओं के माध्यम से उन्होंने इस विषय को स्पष्ट किया। कहा कि किसी के प्रति विशेष सहानुभूति को संवेदना कहा जाता है। शब्द संरचना के आधार पर हिंदी में सम्-वेदना के आधार पर इस शब्द की व्युत्पति हुई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के करोड़ीमल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ नामदेव ने दलित साहित्य और मानवाधिकार, विषय पर व्याख्यान दिया।

सीयूजे में आयोजित अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

देश-विदेश के कई प्रतिभागियों ने लिया भाग

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के भू -सूचना विभाग में जियो-स्पेशियल पाथवेज एंड बिग डेटा एनालिटिक्स इन नैचुरल रिसोर्श एप्लिकेशन एंड क्लाइमेट चेंज विषय पर दो दिवसीय अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ हुआ। इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यो के शीर्ष संस्थानो के 140 प्रतिभगियों सहित अमेरिका, कनाडा, जर्मनी अलक्स्का, श्रीलंका ,आस्ट्रेलिया के संस्थानो के कई प्राध्यापको ने भाग लिया। यह सम्मेलन विज्ञान भारती, आईएसजी (इसरो) रांची चैप्टर के संयुक्त तत्वाधान मे सम्पन्न हुई। इस सम्मेलन के संयोजक प्रो. एसी पांडे तथा ओर्गनाइजिग स्क्रेट्री डॉ. बिकास परिदा एवं डॉ.चन्द्रशेखर द्विवेदी थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयंत सहस्त्रबुद्धे,संगठन मंत्री विज्ञान भारती ने कहा की जलवायु परिवर्तन एवं आपदाएं से बचने के लिए मनुष्य को अपनी दिनचर्या मे बदलाव करके प्रक्रति के साथ तालमेल से रहना सीखना होगा। शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार(स्कूल शिक्षा एव साक्षरता विभाग) के निदेशक जय प्रकाश पांडे ने सुदूरसंवेदी तकनीक को संसाधनो के रख-रखाव एवं कुशल प्रबंधन के लिए और अधिक गुणवत्ता परक बनाया जाए,झारखंड के विशेष संदर्भ मे कहा। इस कार्यक्रम मे प्रो एस बसु निदेशक,खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान, आईएमएमटी, भुवनेश्वनर,डॉ. पीएस आचार्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार,डॉ ब्रजेन्द्र पटेरिया निदेशक, पंजाब रिमोट सेन्सिंग सेंटर, प्रो. जादूनन्दन दास ,साउथ हैम्पटन विश्वविद्यालय अमेरिका,डॉ एनआर पटेल इसरो, देहरादून, प्रो. मनोज कुमार, डीन, अकादमिक सीयूजे सहित झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।